PART A - INTRODUCTION

Program: Diploma	Class : B.Com Second year	Session 2022-23

Subject		Commerce	
1	Course code	C2-COMF 2T	
2	Course Title	APPLIED ECONOMICS	
3	Course Type:	Elective for Commerce faculty	
4	Prerequisite (if any)	This Course can be selected as Elective subject by B. com second year commerce faculty students.	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	On successful completion of this course, students will be able to: 1. Demonstrate a solid understanding of the core concepts and tools of economics. 2. Relate basic economic theory and principles to current economic issues and evaluate related public economic policies. 3. Apply economic principles and reasoning to solving business problems. 4. Interpret charts, graphs, and tables and use the information to make informed judgments. 5. Communicate their knowledge and understanding of economic issues using written, verbal and visual expression. 6. Critically reflect on the broader social consequences of economic decision making.	
6	Credit value	06	
7	Total marks	Maximum Marks : 30 + 70	Minimum Passing Marks : 33
Total Number of Lectures-		90	

PART-B : COURSE CONTENTS

UNIT	TOPIC	NUMBER OF LECTURES
1	Historical Background of Applied Economics, Concept of Applied Economics, Scope, Nature and Importance, Its Limitations Difference between Micro and Macro economics, National Income –Concept, Gross National Product, Net National Product & Gross Domestic Product Net Domestic Product, Methods of Measurement of National Income and Problem related to that.	18
2	Income and Consumption Relationship- Principles of Determination of Income Classical and Keynes's Theory, Solution of short term and long term consumption function, Consumption function in Indian economy	18
3	Value of money- Concept and determinants of value of money, Quantity theory of money, Theory of Fisher and Cambridge, Theory of demand and supply of money, Theory of value of money, Theory of liquidity of money, Keynes's Money income theory.	18
4	Concept of economic development and economic growth, economic development and its Determining factors, economic and non-economic factors affecting economic growth, classical and modern theories of economic development, stages of economic development of Keynes and Rostow, strategy of balanced and unbalanced development.	18

5	Changes in the value of money- Money Inflation, Money deflation, inflation and narrative inflation, demand driven inflation, cost growth inflation, stagflation, effects of Money Inflation & Money deflation in the Indian economy.	18
Keyword / Tags:	Income, Consumption, Savings, Investment, Employment, Money, Inflation, deflation.	

PART : C- RECOMMENDED STUDY RESOURCES

Author	Subject	Publication
Sinha V.C.	Applied Economics	Sahitya Bhavan Publications, Agra
Jhigan ML	Applied Economics	Brinda Publications, New Delhi
Sachdeva S.K.	Principal of Micro Economics	Laxmi Narayan Publishers Agra
Sethi T.T.	Applied Economics	Laxmi Narayan Publishers Agra
Jain KP.	Principal of Micro Economics	Navyug Sahitya Sadan
Pant and Mishra	Applied Economics	Sahitya Bhavan Publications, Agra
Seth M.L.	Applied Economics	Laxmi Narayan Publishers Agra
Ahuja H.L.	Advance Economics	Sultan Chand & Sons,New Delhi
Note: All these books are available in Hindi and English Version.		
Digital platform	www.sagepub.in	
	www.vrindaindia.com	
	www.sbpd.in	
	www.hpub.in	

PART : D- RECOMMENDED EVALUATION

	Maximum marks -	100
Continuous Comprehensive Assessment (CCE)	Total Marks-	30
University exam	Total Marks -	70

(PROF.PAVAN MISHRA)
Chairman
Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.

भाग अ . परिचय		
कार्यक्रम: डिप्लोमा	कक्षा: बी. कॉम. द्वितीय वर्ष	सत्र: 2022-23

विषय :	वाणिज्य		
1	पाठयक्रम का कोड	C2-COMF2T	
2	पाठयक्रम का शीर्षक	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	
3	पाठयक्रम का प्रकार:	वैकल्पिक	
4	पूर्वापेक्षा	इस पाठयक्रम को बी. कॉम. द्वितीय वर्ष के वाणिज्य संकाय छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है।	
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियां	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्नांकित में सक्षम होंगे:- 1. अर्थशास्त्र की मूल अवधारणाओं और उपकरणों की ठोस समझ प्रदर्शित कर सकेंगे 2. बुनियादी आर्थिक सिद्धांत और सिद्धांतों को वर्तमान आर्थिक मुद्दों से जोड़ना और संबंधित सार्वजनिक आर्थिक नीतियों का मूल्यांकन करना। 3. व्यावसायिक समस्याओं को हल करने के लिए आर्थिक सिद्धांतों और तर्क को लागू कर सकेंगे 4. चार्ट, ग्राफ़ और तालिकाओं की व्याख्या करें और जानकारी का उपयोग सूचित निर्णय लेने के लिए कर सकेंगे 5. लिखित, मौखिक और दृश्य अभिव्यक्ति का उपयोग करके आर्थिक मुद्दों के बारे में अपने ज्ञान और समझ का संचार कर सकेंगे 6.आर्थिक निर्णय लेने के व्यापक सामाजिक परिणामों पर समालोचनात्मक चिंतन कर सकेंगे	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब . पाठयक्रम की विषयवस्तु

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	**व्यावहारिक अर्थशास्त्र** की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, व्यावहारिक अर्थशास्त्र की अवधारणा, क्षेत्र, प्रकृति एवं महत्व इसकी सीमायें व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर, **राष्ट्रीय आय :** अवधारणा सकल राष्ट्रीय उत्पाद, शुध्द राष्ट्रीय उत्पाद एवं सकल घरेलु उत्पाद , शुद्व घरेलु उत्पाद, राष्ट्रीय आय के मापन की विधिया एवं ततसम्बंधी समस्यायें।	15
2	**आय उपभोग सम्बंध** - आय निर्धारण के सिद्वांत प्रतिष्ठित एवं केन्सियन सिद्वांत, अल्पकालीन एवं दीर्धकालीन उपभोगफलन का समाधान, भारतीय अर्थव्यवस्था में उपभोग फलन	12
3	**मुद्रा का मूल्य** - मुद्रा कु मूल्य की अवधारणा एवं निर्धारक तत्व, मुद्रा का परिमाण सिद्वांत –फिशर एवं कैम्ब्रिज का सिद्वांत, मुद्रा का मांग एवं पूर्ति का सिद्वांत, मुद्रा के मूल्य का सिद्वांत, मुद्रा की तरलता का सिद्वांत, कीन्स का आय सिद्वांत।	15
4	आर्थिक विकास एवं आर्थिक संवृद्धि की अवधारणा, आर्थिक विकास एवं उसके निर्धारक तत्व, आर्थिक संवृद्धि को प्रभावित करने वाले आर्थिक एवं गैर आर्थिक	18

	घटक, आर्थिक विकास के प्रतिष्ठित एवं आधुनिक सिद्वात, कीन्स एवं रोस्टोव के आर्थिक विकास की अवस्थायें, सन्तुलित एवं असन्तुलित विकास की रणनीति।	
5	मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन . मुद्रा प्रसार, मुद्रा संकुचन, मुदा विस्फीति तथा मुद्रा संस्फीति, मांग प्रेरित स्फीति, लागत वृद्धि स्फीति, गतिहीन स्फीति, भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रसार एवं संकुचन का प्रभाव।	15
सार बिन्दु;	आय, उपभोग, बचत, विनियोग, विकास, संवृद्धिए रोजगार,मुद्रा,स्फीति, संकुचन	

भाग स - अनुशंसित अध्ययन संसाधन

लेखक	विषय	प्रकाशक का नाम
सिन्हा व्ही.सी.	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	साहित्य भवन,पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीव्यूटर्स, आगरा
झिंगन एम.एल.	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	बृन्दा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
सचदेवा एस.के.	Principles of Micro Economics	लक्ष्मी नारायण पब्लिशर्स आगरा
सेठी टी.टी.	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	लक्ष्मी नारायण पब्लिशर्स आगरा
जैन के.पी.	समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्वात	नवयुग साहित्य सदन, आगरा
पंत एवं मिश्रा	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	साहित्य भवन, पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीव्यूटर्स, आगरा
सेठ एम.एल.	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	लक्ष्मी नारायण पब्लिशर्स आगरा
आहूजा एच.एल.	Advance Economics	सुल्तान चन्द एण्ड संस, नई दिल्ली

नोटः- यह सभी पुस्तकें हिन्दी एवं अँग्रेजी संस्करण में उपलब्ध है।

डिज़िटल प्लेटफॉर्म	
	www.sagepub.in
	www.vrindaindia.com
	www.sbpd.in
	www.hpub.in

भाग स - अनुशंसित मूल्याकन	अधिकतम अंक - 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (सीसीई)	कुल अंक 30
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	कुल अंक 70

(PROF.PAVAN MISHRA)
Chairman
Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.